

संपादकीय

तलारों समता के सूत्र

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वैश्वीकरण व उदारीकरण के दौर में देश में आर्थिक विषमता की खाई और चौड़ी हो गई है। करोड़पतियों की संख्या जरूर बढ़ी है। निष्कर्ष यही है कि समृद्ध तबके ने ही इन नीतियों का ज्यादा लाभ उठाया है क्योंकि आर्थिक व्यवहार में सरकारों की भूमिका कम हुई है। हाल के दिनों में विश्व बैंक द्वारा जारी मानव पूंजी सूचकांक की पहली रिपोर्ट इसी सच को उजागर करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के जीवन की प्रत्याशा, सेहत व शिक्षा के मापदंडों पर आधारित 157 देशों की सूची में भारत का स्थान 115वां है। हालांकि सरकार ने यह कहकर रिपोर्ट को नकारा है कि इसमें मानव पूंजी को समृद्ध करने के सरकार के प्रयासों को नजरअंदाज किया गया, जिसमें समग्र शिक्षा अभियान, सेहत के लिये आयुष्मान भारत योजना, महिला सशक्तीकरण की उज्वला योजना तथा प्रधानमंत्री जन धन योजना जैसे कार्य शामिल हैं।

निःसंदेह यह तथ्य अनजाना नहीं है कि विश्व बैंक के आंकड़ों में विकसित देशों के भी अपने लक्ष्य होते हैं। मगर इस तरह की रिपोर्ट हमें आत्ममंथन का मौका जरूर देती है कि तमाम विकास के दावों के बीच विषमता की खाई पाटी क्यों नहीं जा रही है। दुनिया की तेज गति से बढ़ने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी को क्यों नहीं मिल पा रहा है। इन आंकड़ों के आधार पर गरीबी उन्मूलन व मानव पूंजी संवर्धन के कार्य मों के मूल्यांकन की जरूरत तो महसूस होती ही है, जिस पर गंभीर मंथन की जरूरत है।

मगर इस सत्य को स्वीकारने में परहेज नहीं होना चाहिए कि देश के समक्ष मानव पूंजी संवर्धन की जितनी बड़ी चुनौती है, उसके मुकाबले प्रयास नाकाफी हैं। इन नीतियों के निष्कर्ष का तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है, जिसके चलते वास्तविक जरूरतमंदों तक उसका लाभ नहीं पहुंचता। निःसंदेह सरकारी योजनाओं के जरिये जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने की योजनाओं के ऑनलाइन होने से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, मगर अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। समता का समाज विकसित हो, इसके लिये देश के संपन्न वर्ग को आगे आना चाहिए। समाज के जागरूक तबके का फर्ज बनता है कि मानव पूंजी संवर्धन कार्य मों का पारदर्शी तरीके से निष्कर्ष हो सके, इस पर पैनी नजर रखी जाये। अन्यथा लगातार बढ़ती आर्थिक असमानता आखिरकार सामाजिक असंतोष का कारण बनती है। देश के विभिन्न इलाकों में होने वाले हिंसक प्रतिरोध इसी असमानता की परिणति के रूप में देखे जा सकते हैं। देश के नीति-निर्णयताओं को इस बात का एहसास होना चाहिए कि ऊंची विकास दर के लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किये जा सकते जब तक कि देश के मानव विकास सूचकांक में सुधार नहीं लाया जाता। निःसंदेह देश में बाल मृत्यु दर में कमी आई है। कुपोषण के आंकड़ों में भी सुधार हुआ है मगर इन परिणामों से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता। देश में स्वास्थ्य सेवाओं का तंत्र सुधारने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवाओं के बजट में वृद्धि करके ही आयुष्मान भारत के लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इस दिशा में सरकार, संपन्न वर्ग और समाज के हर व्यक्ति की साझेदारी जरूरी है।

आरबीआई में बवाल, कर्मचारी यूनियन ने लिखा- बैंक की आजादी न छीने सरकार

नई दिल्ली। सीबीआई में चल रहे घमासान में उलझी केंद्र सरकार के लिए अब नई मुसीबत रिजर्व बैंक की तरफ से आ रही है। आरबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने सरकार पर रिजर्व बैंक के कामकाज में दखल देने का आरोप लगाया है। और ऐसा बंद ना होने पर इसके बुरे परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। इस बयान के अलावा आरबीआई बैंक के कर्मचारी यूनियन ने चिट्ठी लिखी है कि सरकार के द्वारा बैंक की स्वायत्तता को खतरा पहुंचाया जा रहा है। कर्मचारियों ने डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य के उस बयान



का भी समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने सरकार की दखलअंदाजी को लेकर कामकाज किया था। राहुल ने भी किया था वार पटेल के इसी बयान को ढाल बनाकर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष

राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि यह देखना सुखद है कि आखिरकार भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल केन्द्रिय बैंक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'बचा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि देश भाजपा-आरएसएस को संस्थाओं पर कब्जा नहीं करने देगा। पटेल और 'टीम मोदी' के बीच टकराव की खबरों के बाद गांधी ने कहा कि गवर्नर के आरबीआई के बचाव में आने में कोई विशेष देरी नहीं हुई है। गांधी ने ट्वीट किया, यह अच्छा है कि आखिरकार पटेल आरबीआई को 'मिस्टर 56' से बचा रहे हैं।

मुकेश अंबानी और रतन टाटा से जेट एयरवेज ने मांगी मदद, जानें क्या मिला जवाब

नई दिल्ली। वित्तीय संकट से घिरी जेट एयरवेज के प्रमुख नरेश गोयल ने एयरलाइंस को बचाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी का दरवाजा खटखटाया है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि नरेश गोयल ने टाटा ग्रुप के रतन टाटा से भी मदद मांगी है। जेट एयरवेज में नरेश गोयल की हिस्सेदारी 51 फीसदी है। वह कंपनी को बचाने के लिए इसका कुछ हिस्सा बेचना चाहते हैं। कंपनी की वित्तीय हालत इतनी खराब है कि पिछले कई महीनों से कर्मचारियों की सैलरी समय पर नहीं दे पा रही है। मिंट की एक खबर के मुताबिक, मुकेश अंबानी ने गोयल के



अनुरोध पर अभी तक कुछ भी जवाब नहीं दिया है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कई विदेशी एयरलाइंस से बातचीत जारी है। इससे पहले जेट एयरवेज में हिस्सा खरीदना चाहता था पर बात नहीं बनी। टाटा ग्रुप पहले ही देश में एयर एशिया और सिंगापुर एयरलाइंस के साथ विस्तारा एयरलाइंस के साथ विस्तारा में इसकी

41 फीसदी हिस्सेदारी है। विस्तारा टाटा और सिंगापुर एयरलाइंस का ज्वाइंट वेंचर है। हालांकि, टाटा ग्रुप के प्रवक्ता ने इस पर कुछ भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस खबर पर जेट एयरवेज के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी की नीति के मुताबिक हम अटकलबाजी पर टिप्पणी नहीं करते। जेट एयरवेज में अबूधाबी की कंपनी एहिताह एयरवेज की 24 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी को अपने कर्ज का ब्याज चुकाने और कर्मचारियों को सैलरी देने के लिए पूंजी की सख्त जरूरत है। मुकेश अंबानी इससे पहले भी कई कंपनियों में हिस्सा खरीद कर उनकी मदद कर चुके हैं।

1 नवंबर से शुरू होगी रेलवे की 'सबसे बड़ी' सर्विस, यात्रियों का होगा फायदा

नई दिल्ली। जब आपको यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेन का अनारक्षित टिकट लेने के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ता है तो यह किसी सिरदर्द से कम नहीं होता। लेकिन एक दिन बाद यानी 1 नवंबर से यह पुराने समय की बात हो जाएगी। इंडियन रेलवे अनारक्षित टिकट काउंटर पर लगने वाली लंबी कतार को ध्यान में रखते हुए 1 नवंबर से शुरू करने से पहले ट्रेन का पूरे देश में यूटीएस मोबाइल एप की शुरुआत करने जा रहा है। इस सुविधा के शुरू होने के बाद आपको टिकट लेने के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। प्लेटफॉर्म टिकट और मासिक पास भी मिलेगा अनारक्षित टिकट के अलावा आप यूटीएस मोबाइल एप से प्लेटफॉर्म टिकट और मासिक पास भी खरीद सकेंगे।



इस सुविधा के शुरू होने के बाद आपको टिकट लेने के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। प्लेटफॉर्म टिकट और मासिक पास भी मिलेगा

रोहित शर्मा ने खोला लंबी पारी का राज, कहा- शतक के बाद वह गलती नहीं करता, जो बाकी करते हैं

मुंबई। रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे वनडे में 137 गेंद पर 162 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपने वनडे करियर में रिकॉर्ड सातवीं बार 150 रन का आंकड़ा पार किया। एक समय तो ऐसा लग रहा था कि वे एक बार फिर दोहरा शतक लगाने जा रहे हैं, लेकिन 44वें ओवर की आखिरी गेंद ने इस उम्मीद पर विराम लगा दिया। एश्ले नर्स की इस गेंद पर रोहित शर्मा को



चंद्रपॉल हेमराज ने कैच किया। भारतीय पारी खत्म होने के बाद रोहित शर्मा से पूछा गया कि आपके 100 पूरा करते ही प्रशंसक आपसे दोहरे शतक की

उम्मीद लगाने लगते हैं। इस पर रोहित ने कहा, 'लोगों को मुझसे काफी उम्मीदें रहती हैं। हम मैच के दौरान केवल बड़ा स्कोर बनाना चाहते थे। जिस तरह की बल्लेबाजी लाइनअप वेस्टइंडीज के पास है, उसे देखकर कोई भी इस बात का अनुमान नहीं लगा सकता कि कौन सा स्कोर सुरक्षित होगा।' रोहित ने कहा, 'हम काफी समय बाद इस ग्राउंड में खेल रहे हैं। लेकिन मैं ब्रेबोर्न स्टेडियम

की पिच से अच्छी तरह से वाकिफ हूँ। मुंबई में क्रिकेट खेलते हुए बड़े होने के दौरान मैंने यहां काफी क्रिकेट खेला है। मैं यहां की पेस और बाउंस को अच्छी तरह से समझता हूँ।

आज का राशिफल

मेष: आज आपका दिन शुभ फलदायी होगा। गणेशजी आज आपको कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह देते हैं। किसी कार्य से यात्रा करने पर संकोच रहे। लेखन कार्य के लिए अच्छा दिन है। मानसिक परेशानी को खुद पर हावी न होने दें।

वृश्चिक: आपको आज मन की स्थिरता बनाए रखने की जरूरत है। समझौता करने की प्रवृत्ति रखेंगे तो किसी से संघर्ष नहीं होगा। प्रवास का आयोजन टाल दें।

मिथुन: लक्ष्मीजी की कृपा से आज आपका दिन आर्थिक दृष्टिकोण से लाभदायी रहेगा। स्वास्थ्य व उत्तम भोजन तथा मित्रों के साथ से आज का दिन अत्यंत आनंद में बीतेगा। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कर्क: आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। सगे-संबंधियों से मनमुटवट के प्रसंग न बनें, इसका ध्यान रखें। पारिवारिक कार्यों के पीछे व्यय हो सकता है। वाणी पर संयम रखें।

सिंह: आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ होने की संभावना है। किसी सुंदर स्थल के पर्यटन की संभावना है। अभिर्णय की स्थिति बन सकती है।

कन्या: आज का दिन शुभ फलदायी है। नए कार्य के आयोजन संपन्न होंगे। व्यापारीवर्ग एवं नौकरिपेशा लोगों के लिए भी समय बहुत अच्छा है। व्यापार में लाभ एवं नौकरी में प्रमोशन के योग हैं।

तुला: व्यवसायिक क्षेत्र में लाभ की संभावना है। नौकरी व व्यापार में साथ काम करने वालों से पूर्ण सहयोग मिलेगा। लंबी यात्रा व किसी धार्मिक स्थल पर जाने का आयोजन हो सकता है। लेखनकार्य एवं बौद्धिक क्षेत्र में आप सफल रहेंगे।

वृश्चिक: आज का दिन श्रान्तिपूर्वक व सावधानीपूर्वक रूप से कितने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता प्राप्त होने के योग हैं, इसलिए कोई नया काम प्रारंभ न करें। क्रोध पर संयम रखें।

धनु: आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। मनोरंजन के प्रसंग से आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। विपरीत लिंगीय व्यक्ति यों से आपको लाभ होगा। मित्रों के साथ प्रवास, पर्यटन का आयोजन हो सकता है।

मकर: व्यापार में विकास के लिए आज का दिन बहुत लाभकारी रहेगा। व्यावसाय में आप अपने आयोजन के अनुसार कार्य कर सकेंगे। धन की तेजसेन में भी सफलता मिलेगी।

कुंभ: आपके वाणी तथा विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में आप जुड़ेगे। लेखनकार्य तथा सर्जनात्मक प्रवृत्तियों से आनंद मिलेगा। आकर्षक स्वयं की आंखों है।

मीन: गणेशजी कहते हैं कि आज आप में उत्साह तथा स्फूर्ति की कमी ना हो। परिजनों के साथ विवाद में न उतरें। शारीरिक तथा मानसिक अस्वस्थता का अनुभव हो सकता है। कई अप्रिय घटनाओं से आपका मन विग्रह रह सकता है।

हनुमान जयंती: बालपन की नादानी में कुछ ऐसा कर गए थे हनुमान, बल और तेज से हुए वचि

एकादश रूद्रावतार श्री हनुमान जी को बल, पराक्रम, साहस, वीरता एवं स्वामी भक्ति के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। श्री राम चन्द्र के परम भक्त हनुमान जी की जयंती मत्तान्तर के कारण वर्ष में दो बार मनायी जाती है। शास्त्रों के वर्णन के अनुसार विद्वान चैत्र पूर्णिमा के साथ-साथ कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को भी हनुमान जयंती होने का दावा करते हैं, इसलिए हनुमान जयंती दो बार मनायी जाती है। इस साल चिरंजीवी श्री हनुमान जयन्ती 05 नवम्बर 2018 दिन सोमवार को मनाई जाएगी। आपके मन में संशय हो रहा होगा कि चतुर्दशी तिथि तो 06 नवम्बर को है तो 05 नवम्बर को क्यों मनायी जाएगी शास्त्रानुसार जिस तिथि को निश्चित काल व्यापिनी चतुर्दशी हो उसी दिन हनुमान जयंती मनायी चाहिए, इस वर्ष त्रयोदशी



के दोपहर बाद ही चतुर्दशी व्याप्त होने के कारण 05 नवम्बर को ही मनाई जाएगी।

दिनांक- 05 नवम्बर 2018 दिन - सोमवार

तिथि - त्रयोदशी उपरान्त चतुर्दशी नक्षत्र - हस्त उपरान्त चित्रा योग - विषकुंभ उपरान्त प्रीति कथा-

चिरंजीवी हनुमान जी को पवन पुत्र कहा गया है। कथा सारांश में समझिए माता अंजनी पुत्र हनुमान को सुलाकर गृहकार्य में व्यस्त हो गयी तभी हनुमान जी जग गए भूख से व्याकुल हो सूर्य को मीठा फल समझ कर उसे अपने मुख में भर लिया। उस समय ग्रहण चल रहा था, राहु

सूर्य की यह स्थिति देख स्वयं भागते हुए देवराज इन्द्र के पास गए और कहा कि आपने और किस राहु को ब्रह्माण्ड में छोड़ रखा है जो सूर्य को पूर्ण रूप से ग्रस लिया है। मैं अपनी जान बचाकर भागा आपके पास आया हूँ। तभी इन्द्रदेव सफेद हाथी पर सवार होकर आए तो देखा कि छोटे से हनुमान ने सूर्य को अपने मुख में रखकर खेल रहे हैं और सारा जगत सूर्य के वीर त्रिहामा कर रहा है। उसी समय हनुमान की दृष्टि इन्द्र की ओर गयी और उसे भी सफेद फल समझकर खाने को भागे। इन्द्र हनुमान को अपनी ओर आता देख उनपर वज्र से प्रहार किया जिस कारण हनुमान के मुख से सूर्य आजाद हो गए और हनुमान मुँछित होकर गिर पड़े तभी वायुदेव ने अपनी वायु की गति रोक ली जिस कारण सारे जगत में वायु का संचार बंद हो गया और सभी मृत्यु को प्राप्त होने लगे। देवराज इन्द्र सहित देवता ब्रह्मा के पास गए तत्पश्चात ब्रह्मा सहित सभी देवता वायुदेव के पास आए और उनसे विनती की गयी कि वायु का संचार प्रारंभ करें हम सभी हनुमान को आशीर्ष प्रदान करते हैं कि बालक बुद्धिमान, बलवान एवं चिरंजीवी हो। हनुमान की मूर्च्छ समाप्त हुई और वायुदेव ने वायु की गति प्रदान की और संसार की रक्षा की। हनुमान के चिरंजीवी होने के कारण ही वायु का संचार निर्बाध रूप से चलता है और मानव सहित सभी जीवों की रक्षा होती है। हनुमान जी के बजरंग बाण का पाठ करने से सभी विपत्तियों का नाश होता है और कोई अनैतिक उर्जा (अदृश्य शक्ति) भी परेशान नहीं करती है। हनुमान जी की विशेष आराधना दैया और सादेसाती के कुपुभावों से भी बचाती है।

ओलम्पिक टिकट के लिए तैयार है भारतीय महिला फुटबाल टीम



नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबाल टीम अगले माह शुरू हो रहे 2020 एएफसी महिला ओलम्पिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के पहले चरण के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय महिला फुटबाल टीम का लक्ष्य 2020 टोक्यो ओलम्पिक खेलों का टिकट हासिल कर इतिहास बनाने का होगा। भारतीय महिला फुटबाल टीम के मुख्य कोच मेमोल रॉकी को उम्मीद है कि उनकी टीम के पास क्वालीफाई करने का अच्छा अवसर है।

अब आप भी घर बैठे बना सकती हैं ये चटपटे मैगी के पकोड़े बनाने की विधि यहा है



तेल तलने के लिए। अब हम आपको इसे बनाने कैसे है वो बताने जा रहे हैं तो सबसे पहले एक कड़ाही ले और उसमें एक छोटा घन्मच तेल डाले आर उसके बाद तेल को धीमे आच पर गरम होने दे जब तेल गरम हो जाए तो फिर इसमें प्याज डालकर सुनहरी होने तक फ्राई करते रहे जब प्याज सुनहरी हो जाए तो एक पैन ले और उसमें आधा गिलास जितना पानी डाले उसे अच्छे से गरम करे जब पानी उबलने लग जाए तो उसमें मैगी नूडल्स और मसाला डालकर इसे अच्छी तरह पका लें और फिर उसके बाद प्याज डाले और अच्छे से मिलाए और फिर इसके बाद जब इसका पानी सूख जाए तो इसे मंदि आच पर पकने दे कम से कम 5 मिनट और फिर उसके बाद इसे ठंडा होने दे जब ठंडा हो जाए तो अब पकोड़े बनाने के लिए, एक प्लेट में बेसन, मक्के का आटा और नमक डालकर अच्छे से मिला लें उसके बाद इनहे तेल में तल ले और फिर आपके मैगी के पकोड़े तैयार है।

आप लोगो ने पनीर के पकोड़े और दाल के पकोड़े के बारे में सुना होगा पर क्या आपने कभी मैगी के पकोड़े के बारे में सुना है, जो हा मैगी के पकोड़े आप सोच रहे होंगे की मैगी के पकोड़े कोन बनाता है पर आप लोग इतना जान ले कि मैगी के पकोड़े और बाकी पकोड़े से ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं। अब हम आपको बताने जा रहे हैं मैगी के पकोड़े को बनाने की सामग्री के बारे में तो सबसे पहले आपको एक पैकेट मैगी एक पैकेट मैगी मसाला , एक बड़ा प्याज बारीक कटा ,आधा बड़ा घन्मच मक्के का आटा/कॉर्न फ्लोर ,आधा बड़ा घन्मच बेसन ,नमक स्वादानुसार

शब्द सामर्थ्य-74

बार्फ से दार्फ 1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपार्इ करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलवान, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली। ऊपर से नीचे 1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रसफुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनती 5. रूठे हुए की प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. ईसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 73 का हल

गु	मा	न	प	यो	द
न	ह	क	दा	र	ल
ह	वा	ला	त	च	द
गा	रा	ज	म	ह	ल
र	ई	स	ग	स	अ
मा	प	त	वा	र	ल
ख	न	क	ना	ह	त
स	दा	ह	वा	शो	ला
रा	र	ही	र	क	

सू-दोक्-74

3	7			2	1
2			9	4	
7		1			5
	1		5	2	7
5			4		
	4		1	8	5
1	5		3	9	
2		6		5	1

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनाता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बार्फ से दार्फ और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोक् क्र.73 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3